भारत सिहं रावत राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल (पौडी गढवाल)

Programme Level: UG (Yearly, Semester)
Programme Instructor: Mrs. Meena (Dept. of Hindi)
Time Allotted: 45 minutes per lecture

हिन्दी विभाग

Programme Outcomes

1 साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का स्रोत रहा है। साहित्य समाज का दपर्ण है। स्नातक स्तर पर इस विषय के चयन व अध्ययन से शिक्षार्थी को साहित्य के सांगोपांग महत्व का ज्ञान प्राप्त होता है।

2 शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के समृद्ध साहित्य के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होता है।

3 शिक्षार्थी को हिन्दी साहित्य की सभी प्रमुख विधाओं का ज्ञान होता है, जिससे उनमें रचनात्मकता का प्रस्फुटन एवं विकास होता है।

4 शिक्षार्थी को जीवन के आजीविकोपार्जन सम्बन्धी पक्ष के रूप में हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप व महत्व का ज्ञान एवं प्रशिक्षण होता है।

5 शिक्षार्थी हिन्दी व्याकरणिक ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन हेतु सहयोगी एवं उपयोगी सिद्ध होगा।

6 शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोग के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित हिन्दी साहित्य की आघर व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करता है।

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौडी गढवाल

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

भारत सिहं रावत राजकीय महाविद्यालय (पौडी गढवाल)

हिन्दी विभाग

Cource outcome

(स्नातक स्तर)

बी0ए0 प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र–हिन्दी भाषा एवं साहित्य

1 हिन्दी भाषा का आशय समझते हुए हिन्दी भाषा के प्रयोग एवं प्रयोग क्षेत्रों के विषय में ज्ञान प्राप्त करना।

2 हिन्दी भाषा के उद्‌भव एवं विकास के कम ज्ञान प्राप्त करते हुए हिन्दी की विभिन्न बोलियों की जानकारी प्राप्त करना।

3 भाषा के विविध रूप –बोली, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, मानक भाषा आदि का ज्ञान प्राप्त करते हुए इनके स्वरूप को समझना।

4 भाषा एवं लिपि का सम्बन्ध को समझते हुए हिन्दी भाषा की लिपि की आवश्यकता को समझना।

5 देवनागरी लिपि का उद्‌भव एवं विकास को समझते हुए देवनागरी लिपि की महत्ता को समझना।

6 देवनागरी लिपि क विकास, नामकरण,लिपि की वैज्ञानिकता के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करना एवं देवनागरी लिपि की शक्ति तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करना।

7 साहित्य शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, एवं स्वरूप को जानते हुए काव्य के रूप–प्रबन्ध, मुक्तक काव्य के लक्षणो समझना।

8 गद्य की विविध विधाएंःकहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण आत्मकथा, डायरी, रिपोतार्ज,यात्रावृतांत एवं जीवनी आदि विधाओं के स्वरूप व उनके तत्वों की जानकारी प्राप्त करन

द्वितीय प्रश्नपत्र–काव्यांग एवं हिन्दी कविता (आदिकाल से रीतिकाल)

1 रस परिचय, रस के अंग, रस के भेद एवं रस के लक्षण की जानकारी प्राप्त करना व विभिन्न रसों के पहचान की समझ विकसित करना।

2 अलंकार की परिभाषा समझते हुए शब्दालंकार एवं अर्थालंकार के अन्तर्गत आने वाले अलंकार अनुप्रास, यमक, श्लेष, वकोक्ति उपमा, रूपक, भ्रांतिमान, संदेह, प्रतीप, समासोक्ति आदि अलंकारों के लक्षणों की पहचान करना।

3 विभिन्न प्रकार के छंदों वर्णिक एवं मात्रिक छंद इन्द्रवज्रा, भुजंगप्रयात, बसंततिलिका द्रुतविलम्बित, दोहा, सोरठा, बरवै, रोला, कुण्डलिया, हरिगीतिका आदि छंदों के लक्षणों को समझना।

4 शब्द शक्ति को समझतें हुए काव्य में अभिधा, लक्षणा, व्यंजना शब्द शक्ति के महत्व को समझना।

शिक्षार्थी चंदबरदाई और उनका काव्यःपृथ्वीराजरासो के पदमावती समय के चयनित अंश(छन्द संख्या–1–10) परिचय व ज्ञान पाता है।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

5 अमीर खुसरो के जीवन परिचय , काव्य रचना से परिचित होंगे।

6 कबीर और उनक काव्य का ज्ञान प्राप्त करने के साथ साथ कबीर कके समाज सुधारक रूप व उनकी शिक्षाओं को समझना ((कबीर ग्रंथावली ,सम्पादक डा0 श्यामसुन्दर दास)

- गुरुदेव कौ अंग– पद संख्या 3,6,8
- सुमिरन कौ अंग– पद संख्या 9,23
- विरह कौ अंग– पद संख्या 1,3,6
- ज्ञान विरह कौ अंग– पद संख्या 3,4,5
- परचा कौ अंग– पद संख्या 3,4,7

7 जायसी और उनका कृतित्व का ज्ञान प्राप्त करना। मानसरोदक खण्ड' से कड़वक संख्या–4:1–4:8 का अध्ययन। (जायसी ग्रंथावली,सम्पादक–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

8 सूरदास और उनके काव्य का अध्ययन कर सूर की भक्ति भावना को समझना।

- भ्रमर गीत– पद संख्या 6,7,11,,13,23,24,25,28,34,52,75,77 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ग्रंथावली,भाग 5,ना0 प्रचारिणी सभा काशी

9 तुलसीदास और उनका काव्यः रामचरितमानस के अयोध्याकाण्ड, बालकाण्ड, सुन्दरकाण्ड उत्तरकाण्ड का अध्ययन कर तुलसी के लाक कल्याण की भावना को समझना।

10 रीतिकालीन कविता के स्वरूप काव्य के लक्षण व प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त करना।

11 बिहारी के काव्य का अध्ययन कर उनके कृतित्व को समझना। (बिहारी रत्नाकर सम्पादक–जगन्नाथ दास रत्नाकर)दोहा सं01,25,13,22,32

12 भूषण के काव्य का अध्ययन कर उनके काव्य शिल्प को समझना।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

बी0ए द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र (गद्य एवं नाट्य साहित्य

1 उपन्यास–त्यागपत्र–जैनेन्द्र कुमार– उपन्यास में लेखक ने मुख्यतःव्यक्ति के आत्मसंघर्ष एवं जीने की इच्छा को अभिव्यक्ति प्रदान की हैं।मृणाल अपने मूल्यों,विचारों,मान्यताओं के प्रति ईमाइनदार रहते हुए कष्टपूर्ण एवं कठिन जीवन मार्ग का अनुसरण करती है।

कहानी संग्रह– ग्यारह कहानियां स0– प्रो हरिमोहन

2 हिन्दी निबन्ध एवं स्फुट गद्य विधाएं (सं0 आशा जुगरान)

हिन्दी साहित्य में निबन्ध विधाकी विकास यात्रा के साथ–साथ निबन्ध के तत्वों का ज्ञान, निबन्ध के प्रकार एवं विभिन्न निबन्धकारों के निबन्धों का सारगर्भित अध्ययन।

- साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है– बाल कृष्ण भट्ट
- कोध– रामचन्द्र शुक्ल
- कबीर और गांधी–पीताम्बर दत्त बड.थ्वाल
- आम फिर बौरा गये–हजारी प्रसाद द्विवेदी
- निंदा रस– हरिशंकर परसाई
- **रेखाचित्र**–लछमा–महादेवी वर्मा
- **यात्रा संस्मरण–सुनहरे त्रिकोण में तेरह दिन–प्रो हरिमोहन–'पत्थर और पानी'** एक ऐसा कोलाज है, जो लेखक के तीस–पैंतीस वर्षके अन्तराल की स्मृतियों के टुकडों जिसे लेखक कटे–बटे अतीत कहता है से सजों कर रचा गया है।

3 ध्रुवस्वामिनी –जयशंकर प्रसाद का ऐतिहासिक नाटक है। यह नाटक मुख्यतः नारी जीवन की समस्या को उजागर करता है, साथ ही भारतीय इतिहास से भी परिचित कराता है।

- 4 विभिन्न एकांकीकारों की एकांकियों दीपदान ,सूखी डाली ,बसंत ऋतु का नाटक एवं उसर का अध्ययन कर उनके उद्देश्य को समझना।

Mahesh Chandra Arya
Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

बी0ए द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्र (आधुनिक हिन्दी कविता)

1 आधुनिक हिन्दी कविता का काल विभाजन तथा विभिन्न कालों की कालगत विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करते है।

- आधुनिक हिन्दी कविता का काल विभाजन
- भारतेन्दु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद

2 सरोज स्मृति–सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के जीवन,कृतित्व की जानकारी प्राप्त करना सरोज स्मृति निराला जी की लम्बी कविता हैं जिसमें निराला जी ने अपनी पुत्री सरोज की आकस्मिक मृत्यु से उत्पन्न दुख की अभिव्यक्ति की गयी है।

3 आंसू के अंश,कामायनी–लज्जा सर्ग–जयशंकर प्रसाद छायावाद के चार स्तम्भों में से प्रमुख है। छात्र छात्राएं जयशंकर प्रसाद के जीवन,कृतित्व की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही आंसू कविता का सार को समझना। कामायनी प्रसाद जी की छायावाद का महाकाव्य है,जिसमें मानव जीवन के सम्भावित विकास को दिखाया गया है।कामायनी के 15 सर्गो के माध्यम से दर्शाया गया है कि किस प्रकार एक चिन्ताग्रस्त मन हृदय और बुद्धि के संयोग से आन्नद को प्राप्त करता है।

- नौका विहार,प्रथम रश्मि, परिवर्तन–सुमित्रानंदन पंत जी के जीवन,कृतित्व के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करना
- चन्द्रकुंवर बर्त्वाल के जीवन,कृतित्व और मेघनंदिनी,हेंमतप्रात, कालनागिनी,जीतू, काफल पाक्कू कविताओं के सार की जानकारी प्राप्त ।

4 विभिन्न कवियों की कविताओं का अध्ययन करके कविताओं के सार को समझना

- यह दीप अकेला है, कलगी बाजरे की, नदी के दीप,सांप– अज्ञेय
- टिहरी वर्णन,फिरंगी वर्णन के दस छंद –गुमानी पंत
- वीरों का कैसा हो बसंत,झांसी की रानी–सुभद्रा कुमारी चौहान
- अंतर्देशीय, पेड. की आजादी–लीलाधर जगूड़ी

Mahesh Arya
Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

बी0ए0 तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र–प्रयोजनमूलक हिन्दी

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी के अभिप्राय स्वरूप, क्षेत्र,और विशेषताओं को समझते हुए प्रयोजनमूलक हिन्दी के महत्व समझना ।

2 भाषा के विविध रूप–बोल चाल की भाषा, राष्टभाषा के स्वरूप को समझना एवं राष्ट भाषा के महत्व को समझना।

3 राजभाषा की आवश्यकता, स्वरूप के विषय में ज्ञान प्राप्त करना व संविधान में उल्लखित राजभाषा सम्बन्धी उपबन्धों से परिचित होना।

4 कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप एवं विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करना, कार्यालयी पत्राचार के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त करना।

5 संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण की विस्तृत जानकारी प्राप्त करना एवं विभिन्न कार्यालयों में संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण आदि की आवश्यकता को समझना।

6 मीडिया लेखन की आवश्यकता व महत्व को समझना तथा जनसंचार के विभिन्न माध्यमों श्रव्य–दृश्य साधनों के विषय में जानकारी प्राप्त करना।

7 सोशल मीडिया, दृश्य–श्रव्य माध्यमों की भाषा,लेखन का ज्ञान प्राप्त करना।

8 विज्ञापन के स्वरूप को समझते हुए वर्तमान समय में विज्ञापनों के महत्व को समझना, विज्ञापनों की रचना प्रकिया एवं विज्ञापन की भाषा का ज्ञान प्राप्त करना।

9 अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्व को समझना।

Mahesh Arya
Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

बी0ए0 तृतीय वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्र– उत्तरांचल का हिन्दी साहित्य

1 उपन्यास–जहाज का पंछी (इलाचन्द्र जोशी) का अध्ययन कर उपन्यास के तत्व, सार व उद्देश्य को समझना।

2 नाटक– बॉसुरी बजती रही (गोविन्द चातक) का अध्ययन कर नाटक के तत्व, सार व उद्देश्य को समझना।

3 प्रबन्ध काव्य–अग्निसार (श्याम सिहं शशि) का अध्ययन कर काव्य के काव्य शिल्प व काव्य–रचना के उद्देश्य को समझना।

4 विभिन्न कहानीकारों की कहानियों का अध्ययन कर कहानी के तत्व, सार व उद्देश्य को समझना।

Mahesh Arya
Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

भारत सिहं रावत राजकीय महाविद्यालय (पौडी गढवाल)

हिन्दी विभाग

Cours outcome

(स्नातक स्तर)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (हिन्दी भाषा का उद्‌भव,विकास एवं लिपि)

1 छात्र–छात्राओं को भारोपीय भाषा परिवार की भाषाओं से अवगत कराना एवं संस्कृत पाली, प्राकृत,अपभ्रंश भाषाओं के विकास के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करना।

2 हिन्दी शब्द का आशय उत्पत्ति एवं प्रयोग के इतिहास की जानकारी प्राप्त करना।

3 हिन्दी भाषा के विकास कम आदिकाल, मध्यकाल व आधुनिक काल की विस्तृत जानकारी प्राप्त करना।

4 हिन्दी भाषा क्षेत्रों (भारत एवं भारतेत्तर क्षेत्रों)से परिचित हाने के साथ–साथ हिन्दी के विस्तार को देखते हुए वर्तमान समय में हिन्दी के महत्व को समझना।

5 हिन्दी की प्रमुख उपभाषाओं एवं प्रमुख बोलियों तथा उनके क्षेत्रों से अवगत होना।

6 भाषा एवं लिपि के सम्बन्ध को समझते हुए हिन्दी भाषा में लिपि की महत्व को समझना।

7 देवनागरी लिपि क विकास, नामकरण, लिपि की वैज्ञानिकता के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करना एवं देवनागरी लिपि की शक्ति तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करना।

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (साहित्य का स्वरूप एवं साहित्यिक विधाएं)

1 साहित्य के स्वरूप गद्य एवं पद्य को समझने के साथ साथ पद्य के भेद श्रव्य काव्य एवं दृश्य काव्य के सम्बन्ध में विस्ततृ जानकारी प्राप्त करना।

2 कविता के स्वरूप, काव्यभाषा, काव्य के रूप–प्रबन्ध,मुक्तक, प्रगीत, लम्बी कविता आदि से परिचित होना।

3 हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होते हुए उनके तत्वों की जानकारी प्राप्त करना।

4 उपन्यास, कहानी एवं नाटक गद्य विधाओं के विकासकम व तत्वों के विषय में ज्ञान प्राप्त करना।

5 निबन्ध, आलोचना, रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, डायरी, रिपोतार्ज एवं यात्रावृतान्त गद्य विधाओं का ज्ञान व विभिन्न विधाओं के मध्य अन्तर को समझना।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र(काव्यांग परिचय)

1 रस परिचय, रस के अंग, रस के भेद एवं रस के लक्षण की जानकारी प्राप्त करना व विभिन्न रसों के पहचान की समझ विकसित करना।

2 अलंकार की परिभाषा समझते हुए शब्दालंकार एवं अर्थालंकार के अन्तर्गत आने वाले अलंकार अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति उपमा, रूपक, भ्रांतिमान, संदेह, प्रतीप, समासोक्ति आदि अलंकारों के लक्षणों की पहचान करना।

3 विभिन्न प्रकार के छंदों वर्णिक एवं मात्रिक छंद इन्द्रवज्रा, भुजंगप्रयात, बसंततिलिका द्रुतविलम्बित, दोहा, सोरठा, बरवै, रोला, कुण्डलिया, हरिगीतिका आदि छंदों के लक्षणों को समझना।

4 शब्द शक्ति को समझतें हुए काव्य में अभिधा, लक्षणा, व्यंजना शब्द शक्ति के महत्व को समझना।

द्वितीय प्रश्नपत्र

हिन्दी कविता (आदिकाल से रीतिकाल)

- शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी चंदबरदाई और उनका काव्यःपृथ्वीराजरासो के पदमावती समय के चयनित अंश(छन्द संख्या–1–10) परिचय व ज्ञान पाता है।
- अमीर खुसरो के जीवन परिचय , काव्य रचना से परिचित होंगे।
- कबीर और उनक काव्य का ज्ञान प्राप्त करने के साथ साथ कबीर कके समाज सुधारक रूप व उनकी शिक्षाओं को समझना ((कबीर ग्रंथावली ,सम्पादक डा0 श्यामसुन्दर दास)
    - गुरुदेव कौ अंग– पद संख्या 3,6,8
    - सुमिरन कौ अंग– पद संख्या 9,23
    - विरह कौ अंग– पद संख्या 1,3,6
    - ज्ञान विरह कौ अंग– पद संख्या 3,4,5
    - परचा कौ अंग– पद संख्या 3,4,7
- जायसी और उनका कृतित्व का ज्ञान प्राप्त करना। मानसरोदक खण्ड' से कड़वक संख्या–4:1–4:8 का अध्ययन। (जायसी ग्रंथावली,सम्पादक–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
- सूरदास और उनके काव्य का अध्ययन कर सूर की भक्ति भावना को समझना।
    - भ्रमर गीत– पद संख्या 6,7,11,,13,23,24,25,28,34,52,75,77 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ग्रंथावली,भाग 5,ना0 प्रचारिणी सभा काशी
- तुलसीदास और उनका काव्यः रामचरितमानस के अयोध्याकाण्ड, बालकाण्ड, सुन्दरकाण्ड उत्तरकाण्ड का अध्ययन कर तुलसी के लाक कल्याण की भावना को समझना।
- रीतिकालीन कविता के स्वरूप काव्य के लक्षण व प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त करना।
- बिहारी के काव्य का अध्ययन कर उनके कृतित्व को समझना। (बिहारी रत्नाकर सम्पादक–जगन्नाथ दास रत्नाकर)दोहा सं01,25,13,22,32
- भूषण के काव्य का अध्ययन कर उनके काव्य शिल्प को समझना।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (आधुनिक हिन्दी कविता)

1 आधुनिक हिन्दी कविता का काल विभाजन तथा विभिन्न कालों की कालगत विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करते है।

- आधुनिक हिन्दी कविता का काल विभाजन
- भारतेन्दु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- सुमित्रानंदन पंत जी के जीवन,कृतित्व के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करना तथा साकेत महाकाव्य के पथम सर्ग का अध्ययन कर उर्मिला के जीवनकथा के माध्यम से नारी जीवन की व्यथा को समझना।

- आंसू के अंश,कामायनी–श्रद्धा सर्ग–जयशंकर प्रसाद छायावाद के चार स्तम्भों में से प्रमुख है। छात्र छात्राएं जयशंकर प्रसाद के जीवन,कृतित्व की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही आंसू कविता का सार को समझना। कामायनी प्रसाद जी की छायावाद का महाकाव्य है,जिसमें मानव जीवन के सम्भावित विकास को दिखाया गया है।कामायनी के 15 सर्गो के माध्यम से दर्शाया गया है कि किस प्रकार एक चिन्ताग्रस्त मन हृदय और बुद्धि के संयोग से आन्नद को प्राप्त करता है।

- नौका विहार,प्रथम रश्मि, परिवर्तन–सुमित्रानंदन पंत जी के जीवन,कृतित्व के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करना
- चन्द्रकुंवर बर्त्वाल के जीवन,कृतित्व और मेघनंदिनी,हेंमतप्रात, कालनागिनी,जीतू, काफल पाक्कू कविताओं के सार की जानकारी प्राप्त ।

4 विभिन्न कवियों की कविताओं का अध्ययन करके कविताओं के सार को समझना

- यह दीप अकेला है, कलगी बाजरे की, नदी के दीप,सांप– अज्ञेय
- टिहरी वर्णन,फिरंगी वर्णन के दस छंद –गुमानी पंत
- वीरों का कैसा हो बसंत,झांसी की रानी–सुमद्रा कुमारी चौहान
- अंतर्देशीय, पेड. की आजादी–लीलाधर जगूडी

द्वितीय प्रश्नपत्र–हिन्दी उपन्यास साहित्य

1 हिन्दी उपन्यास के उद्‌भव एवं विकास क्रम का परिचय प्राप्त होगा ।

2 हिमांशु जोशी के उपन्यास 'कगार की आग' के अध्ययन से उपन्यास के शिल्प एवं संवेदना से परिचित होना।

3 सुभाष पंत के उपन्यास 'पहाड पर चोर' उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास के कथा सार

शिल्प एवं संवेदना से परिचित हाना।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौडी गढ़वाल

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र–हिन्दी नाटक एवं एकांकी

1 हिन्दी नाटक के उद्भव और विकास की जानकारी प्राप्त करना।

2 हिन्दी साहित्य में हिन्दी एकांकी के उद्भव विकास कम का अध्ययन करना।

3 गोविन्द चातक के द्वारा रचित नाटक 'दूर का आकाश' का अध्ययन करर सार व उददेश्य को समझना।

4 विभिन्न एंकाकीकारों की एंकांकियों का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करना।

द्वितीय प्रश्नपत्र–हिन्दी नाटक एवं एकांकी

1 हिन्दी निबन्ध के उद्भव और विकास से परिचित होना।

2 निबन्धेत्तर गद्य विधाओं के उद्भव और विकास की जानकारी प्राप्त करना।

2 हिन्दी निबन्ध एवं स्फुट गद्य विधाएं (सं0 आशा जुगरान) ,

3 4 हिन्दी साहित्य में निबन्ध विधाकी विकास यात्रा के साथ–साथ निबन्ध के तत्वों का ज्ञान, निबन्ध के प्रकार एवं विभिन्न निबन्धकारों के निबन्धों का सारगर्भित अध्ययन।

- साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है– बाल कृष्ण भट्ट
- कोध– रामचन्द्र शुक्ल
- कबीर और गांधी–पीताम्बर दत्त बड.थ्वाल
- आम फिर बौरा गये–हजारी प्रसाद द्विवेदी
- निंदा रस– हरिशंकर परसाई

5 रेखाचित्र–लछमा–महादेवी वर्मा

6 यात्रा संस्मरण–सुनहरे त्रिकोण में तेरह दिन–प्रो हरिमोहन–'पत्थर और पानी' एक ऐसा कोलाज है, जो लेखक के तीस–पैंतीस वर्षके अन्तराल की स्मृतियों के टुकडों जिसे लेखक कटे–बटे अतीत कहता है से सजों कर रचा गया है।

पंचम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र– हिन्दी कहानी साहित्य

1 हिन्दी साहित्य में कहानी के उद्भव व विकासकम का ज्ञान प्राप्त करना।

2प्रेमचंद रचित ईदगाह कहानी का अध्ययन करते हुए कहानी की संवेदना को समझना।

3 जयशंकर प्रसाद कृत पुरूस्कार कहानी का अध्ययन करते हुए कहानी की संवेदना को समझना।

4 जैनेन्द्र कृत जान्हवी, गैग्रीन–अज्ञेय, तीसरी कसम–फणीश्वर नाथ रेणु, कोशी का घटवार– शेखर जोशी आदि कहानियों का अध्ययन कर उनके सार व उद्देश्य को समझना।

5 कांछा–हिमांशु जोशी और पहाड की सुबह– सुभाष पंत की कहानियों का अध्ययन कर उनके सार व उद्देश्य को समझना।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणाखाल
पौड़ी गढ़वाल

पंचम प्रश्नपत्र

द्वितीय प्रश्नपत्र – प्रयोजनमूलक हिन्दी

1 प्रयोजन मूलक हिन्दी के अभिप्राय स्वरूप, क्षेत्र,और विशेषताओं को समझते हुए प्रयोजनमूलक हिन्दी के महत्व समझना ।

2 भाषा के विविध रूप–बोल चाल की भाषा, राष्टभाषा के स्वरूप को समझना एवं राष्ट भाषा के महत्व को समझना।

3 राजभाषा की आवश्यकता, स्वरूप के विषय में ज्ञान प्राप्त करना व संविधान में उल्लखित राजभाषा सम्बन्धी उपबन्धों से परिचित होना।

4 कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप एवं विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करना, कार्यालयी पत्राचार के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त करना।

5 संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण की विस्तृत जानकारी प्राप्त करना एवं विभिन्न कार्यालयों में संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण आदि की आवश्यकता को समझना।

6 मीडिया लेखन की आवश्यकता व महत्व को समझना तथा जनसंचार के विभिन्न माध्यमों श्रव्य–दृश्य साधनों के विषय में जानकारी प्राप्त करना।

7 सोशल मीडिया, दृश्य–श्रव्य माध्यमों की भाषा,लेखन का ज्ञान प्राप्त करना।

8 विज्ञापन के स्वरूप को समझते हुए वर्तमान समय में विज्ञापनों के महत्व को समझना, विज्ञापनों की भाषा का ज्ञान प्राप्त करना।

9 अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्व को समझना।

षष्टम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र –जनपदीय भाषा साहित्य

1 गढवाली भाषा और कुँमाउनी भाषा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करना।

2 गढवाली भाषा और कुँमाउनी भाषा साहित्य उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करना।

3 सदेई गीत–तारादत्त गैरोला, प्रेम पथिक– तोता कृ ण गैरोला, भूम्याल–अबोध बन्धु बहुगुणा, न्यो निसाब–मोहन लाल नेगी, को छै तू, चौमासिक व्याह–षेरदा अनपढ, कत्थ हुडक, कथ गैण–चारू चन्द्र पाण्डे, जागर, मैती मुलुक, सौरासे करिए–देवकी मेहरा आदि रचनाकारों के कविताओं का अध्ययन कर उनके सार को समझना।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौडी गढवाल

द्वितीय प्रश्नपत्र–हिन्दी व्याकरण

1 हिन्दी का व्याकरणिक ज्ञान प्राप्त करना।

2 व्याकरण द्वारा शब्द संरचना एवं वाक्य विन्यास की जानकारी प्राप्त करना।

3 संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, कारक चिन्ह, क्रिया विशेषण, विस्मयादिबोधक का ज्ञान प्राप्त एवं समझना।

4 भाषागत अशुद्धियों की पहचान कर भाषा को परखने की शक्ति एवं शब्दगत अशुद्धियों के निराकरण की शक्ति विकसित करना।

5 उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास को समझते हुए शब्द निर्माण की शक्ति का विकास करना।

6 वाक्य के अंगों से परिचित होते हुए वाक्य निर्माण की शक्ति का विकास करना।

7 वाक्य की संरचना को समझना पदक्रम अन्विति आदि का वाक्य निर्माण में भूमिका को समझना।

8 विराम चिन्ह को समझते हुए विभिन्न विराम चिन्हों की पहचान करना एवं हिन्दी में विराम चिन्हों के महत्व को समझने की शक्ति विकसित करना।

9 पर्यायवाची, विलोम अनेकार्थी शब्द, वाक्य के लिए एक शब्द एवं समरूपी भिन्नार्थक शब्द आदि को समझते हुए हिन्दी में इनकी उपयोगिता को समझना।

Dr. Mahesh Chandra Arya
IQAC/NAAC Coordinator
BSR Rajkiya Mahavidhyalaya
Rikhnikhal (Pauri Garhwal)

प्राचार्य
भारत सिंह रावत
राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल
पौड़ी गढ़वाल